वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631

9309255545

6351581818

वर्ष-1 अंक-337 सागवाड़ा,शनिवार,27 अगस्त, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

BPVM की जीत तो कुछ ऐसा ही बोल रही ''छात्र संघ चुनाव तो एक झांकी है, विधानसभा चुनाव में ताक़त दिखाना बाक़ी है''

भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेता युवाओं को साधने में असफल रहे, राजनीतिक गठबंधन का असर, आदिवासी युवाओं में दोनों दलों की पकड़ हुई कमजोर

सागवाड़ा। हाल ही में हुए छात्र संघ चुनाव में जो परिणाम सामने आए हैं उससे कांग्रेस और भाजपा की ज़मीन खिसकती नज़र आ रही है। डूंगरपुर ज़िले में सभी कालेजों में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। यहीं कारण रहा कि विधायक रामप्रसाद डेंडोर विद्यार्थियों के बीच दिखाई दिए जबकि भाजपा और कांग्रेस का कोई बड़े लीडर चुनाव परिणाम के दिन नज़र नहीं आए। चुनाव के परिणाम दिखा रहे हैं की डूंगरपुर ज़िले में युवाओं के बीच अब भाजपा और कांग्रेस का जनाधार ख़त्म होता नज़र आ रहा है, ख़ासकर आदिवासी युवाओं के बीच दोनों पार्टियां कमज़ोर साबित हो रही है पंचायत राज चुनाव में दोनों दलों को मात देते हुए आदिवासी समाज की ओर से निकली पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया था।डूंगरपुर ज़िले में उन्हें जिला प्रमुख बनने से रोकने और कई पंचायत समिति के प्रधान बनाने से रोकने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने गठबंधन कर कमज़ोर करने की कोशिश भले ही की थी लेकिन ऐसे असफल गठबंधन की कोशिश भी असफल रही और कॉलेज चुनाव में आए परिणाम ये साबित कर रहे हैं की अब डूंगरपुर ज़िले में भाजपा और कांग्रेस की पकड़ कमज़ोर होती जा रही है सभी बड़ी नेता युवाओं को साधने में असफल रहे। इस चुनाव में यह साफ़ तौर पर दिखाई दिया कि आदिवासी युवा कांग्रेस और भाजपा जैसे दोनों बड़े दलों के साथ जुड़ना नहीं चाहता है। चाहे भाजपा हो या कांग्रेस इन दोनों ही दलों में ऐसा कोई आदिवासी नेता उभरकर सामने नहीं आ रहा है जो इन युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर सके, जिसका परिणाम यह हुआ कि एक बार फिर यहाँ ABVP और NSUIको मात देते हुए भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा ने भारी बहुमत से जीत हासिल कर दोनों संगठनों के पदाधिकारियों को करारा जवाब दिया। क्षेत्र में पिछले विधानसभा चुनावों से सक्रिय हुए तीसरे मोर्चे ने पंचायत चुनावों में दोनों बड़ी पार्टियों को धराशाही कर विपरीत विचारधारा वाली पार्टियों को गठबंधन करने पर मजबूर कर दिया था। कॉलेज परिणामों को राजनीतिक गलियारे में विधानसभा चुनावों से जोड़कर भी देखा जा रहा है और यह परिणाम दोनों ही बड़े दलों के लिए चिंता का विषय बने हुए है। राजनैतिक विश्लेषकों की माने तो तीसरे दल ने क्षेत्र के आदिवासी मतदाताओं पर अपना प्रभाव बना लिया है वहीं भाजपा व कांग्रेस पार्टी की गुटबाजी से बाहर नही आ पा रहे है। दोनों पार्टियों के नेताओ ने विधानसभा चुनाव की टिकिट लेने के चक्कर में पार्टी को कई धड़ो में बांट दिया है जिससे आम कायकर्ता असमंजस की स्थिति में है। वहीं इन दोनों पार्टियों से क्षेत्र का आदिवासी मतदाता कोसो दूर हो गया है।

एबीवीपी, एनएसयूआई और एसएफआई जैसे छात्र संगठनों को पछाड़ते हुए भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा ने बड़ी जीत दर्ज की

छात्रसंघ चुनाव में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा का परचम

जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज सहित चारों कालेजों में दर्ज की जीत

डूंगरपुर। जिले में छात्रसंघ चुनावो की मतगणना पूरी हो चुकी है। जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज में 5वीं बार एबीवीपी, एनएसयूआई और एसएफआई जैसे छात्र संगठनों को पछाड़ते हुए भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा (बीपीवीएम) ने बड़ी जीत दर्ज की है। बीपीवीएम को अध्यक्ष समेत चारों पदों पर जीत मिली है। वही इसके अलावा अन्य तीन कालेजो में भी बीपीवीएम के उम्मीदवार जीते है। इधर दो कालेजो में पूर्व में बीपीवीएम के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके है। डूंगरपुर जिले में हुए छात्रसंघ चुनाव में एक बार फिर भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा (बीपीवीएम) ने अपनी जीत का परचम लहराया है। डूंगरपुर जिले के चार कालेजो में आज हुई मतगणना में चारो कॉलेजों में बीपीवीएम के पेनल ने जीत दर्ज की है 7 जिले के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज में अध्यक्ष पद पर बीपीवीएम के तुषार परमार ने 857 मतों से जीत दर्ज की है। तुषार को 1269 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी एबीवीपी के गणेश कटारा को 412 वोट मिले है। अध्यक्ष पद पर 5 उम्मीदवार मैदान में थे। एबीवीपी और एनएसयूआई जैसे बड़े संगठनों को हराकर बीपीवीएम जितने में कामयाब रही। इसी तरह उपाध्यक्ष पद पर बीपीवीएम की केसर कुमारी परमार, महासचिव पद पर निलेश रोत और संयुक्त सचिव पद पर सुनील रोत ने जीत दर्ज की है। सभी पदों बड़े छात्र संगठनों के प्रत्याशी हारे है। बीपीवीएम को मिली जीत के बाद जश्न का माहौल है। ढोल धमाकों के साथ नारेबाजी करते हुए जीते उम्मीदवारों को कंधो पर बैठाकर कार्यकर्ता खूब नाचे।

भीखाभाई सागवाडा कॉलेज में भी फहराया बीपीवीएम का परचम

इधर डूंगरपुर जिले के सागवाडा भीखाभाई कॉलेज में भी भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा (बीपीवीएम) का परचम लहराया। बीपीवीएम के पैनेल ने सभी पदों पर जीत दर्ज की। जिसमे अध्यक्ष पद पर बीपीवीएम की शीला डामोर ने एबीवीपी के अशोक डिन्डोर को 186 मतों से हराया। शीला डामोर को 312 व अशोक को 126 मत मिले। इसी तरह उपाध्यक्ष पद पर बीपीवीएम की नीता कटारा, महासचिव पद पर राहुल परमार और संयुक्त सचिव पद पर बीपीवीएम के सुनील कटारा ने जीत हासिल की।

बिछीवाड़ा कॉलेज में भी बीपीवीएम का कब्जा

बिछीवाड़ा सरकारी कॉलेज में सभी चारो पदों पर बीपीवीएम ने बड़ी जीत दर्ज की है। अध्यक्ष पद पर बीपीवीएम के संजय कुमार पांडोर ने एनएसयूआई की शारदा को 218 वोट से हराया।

संजय को 268 वोट मिले, जबकि शारदा को 50 वोट ही मिले। उपाध्यक्ष पद पर बीपीवीएम की शिल्पा कुमारी मोडिया को 272 वोट, महासचिव पद पर बीपीवीएम की रीना खराड़ी को 270 वोट ओर संयुक्त सचिव पद पर गोविंद ननोमा को 270 वोट मिले है।

वीकेबी गर्ल्स कॉलेज में बीपीवीएम की मीनाक्षी अध्यक्ष

वीकेबी गर्ल्स कॉलेज में भी बीपीवीएम को जीत मिली है। प्रिंसिपल पन्नालाल ने बताया की अध्यक्ष पद पर बीपीवीएम की मीनाक्षी कलासुआ जीती है। मीनाक्षी को 291 वोट मिले। जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एसएफआई की चंचल कुमारी मीणा को 103 वोट ही मिले। उपाध्यक्ष पद पर बीपीवीएम की पायल डामोर को 304 वोट, महासचिव पद पर मनीषा अहारी को 216 वोट ओर संयुक्त सचिव पद पर राजेश्वरी डामोर को 255 वोट मिले और जीत दर्ज की है।

कांग्रेस के दो मंत्रियों के गृह जिले में भारी रही BPVM

GGTU और इंजीनियरिंग कॉलेज में ABVP

बाँसवाड़ा। कांग्रेस सरकार के जल संसाधन मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया और ज्ञष्ठ राज्यमंत्री अर्जुन बामनिया के गृह जिले में शनिवार को हुए छात्र संघ चुनाव में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा भारी पड़ी। यहां (BPVM) जिले का सबसे बड़ा छात्र संगठन बनकर उभरा है। छात्र राजनीति के सबसे बड़े गोविंद गुरु कॉलेज से लेकर सज्जनगढ़, कुशलगढ़, गनोड़ा संस्कृत कॉलेज, छोटी सरवन में BPVM ने जीत हासिल की है। वहीं गोविंद गुरु ट्राइबल यूनिवर्सिटी के केंद्रीय चुनाव और इंजीनियरिंग कॉलेज में ABVP तथा हरिदेव जोशी कन्या महाविद्यालय और गांगड़तलाई कॉलेज में ST-SC छात्र संगठन व NSUI गठबंधन ने जीत दर्ज कराई है। जिले में कांग्रेस के समर्थन वाले ST-SC छात्र संगठन व NSUI गठबंधन को अपेक्षा के हिसाब में निराशाजनक परिणाम मिले हैं। युवा राजनीति में आए इस बदलाव ने बांसवाड़ा और डूंगरपुर में खुद की मजबूत पकड़ बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस और भाजपा की राजनीति के लिए ये बड़ा झटका है।

गोविंद गुरु ट्राइबल यूनिवर्सिटी के केंद्रीय छात्रसंघ चुनाव के त्रिकोणिय मुकाबले में ABVP ने शानदार जीत दर्ज कराई है। यहां पूरा पैनल ही ABVP का चुना गया है। परिषद के प्रत्याशी सुनील सुरावत ने ST/SC व NSUI गठबंधन के उम्मीदवार भगवतीलाल कटारा को हराकर मैदान जीता है। अध्यक्ष पद के त्रिकोणीय मुकाबले में सुरावत को 180, गठबंधन के कटारा को 51 व भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार को राहुल डामोर को 82 वोट मिले हैं। जीत का ये अंतराल 98 वोटों का रहा। यूनिवर्सिटी में अध्यक्ष पद के लिए BVP की ये एकतरफा जीत है।

जिनकी जगह गौशाला में वो सड़क पर खा रही धक्के

शहर में सड़क पर मवेशी ये आम बात है, सागवाडा शहर की सड़कों पर इन दिनो मवेशियों का झुंड देखा जा सकता है जिनमें अधिकांश गाय और बैल हैं। शहर में गोशाला खोले जाने का सभी ने स्वागत भी किया और सभी ने बढ़ चढ़कर इसमें तन मन और धन से सहयोग भी किया और कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी एक बड़ा सवाल ये उभरकर सामने आ रहा है कि जिन मवेशियों का स्थान गोशाला में होना चाहिए था वे शहर की सड़कों पर धक्के क्यों खा रहे हैं। शहर की चाहे मुख्य सड़क हो या अंदरूनी सड़कें इस सभी जगहों परजगहों पर मवेशियों की झुंड देखे जा सकते हैं जिससे ना सिर्फ़ आम राहगीरों को ब्लिंक वाहनधारियों को भी परेशान होना पड़ रहा है।

पुलिसकर्मी का गिरेबान पकड़ा, पूर्व प्रधान के बेटे समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

सागवाड़ा। नगर के डूंगरपुर - बांसवाड़ा मार्ग पर रोडवेज बस स्टैंड के गेट के सामने लड़ाई-झगड़ा कर रहे बदमाशों को रोकने पर बदमाशों ने पुलिसकर्मी का ही गिरेबान पकड़ लिया। पुलिस ने मामले में पूर्व प्रधान के बेटे समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सागवाड़ा सीआई शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात के समय सूचना मिली कि कुछ युवक रोडवेज बस स्टैंड के गेट पर लड़ाई-झगड़ा कर रहे हैं। इस पर कॉन्स्टेबल वीरेंद्र सिंह बाइक लेकर मौके पर पहुंचा। बस स्टैंड के गेट पर दो युवक बाइक आड़ी लगाकर वाहनधारियों से लड़ाई-झगड़ा कर रहे थे। इसपर कॉन्स्टेबल वीरेंद्र सिंह ने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाश कॉन्स्टेबल से ही भिड़ गए और बदसलूकी करने लगे। एक बदमाश ने कॉन्स्टेबल का गिरेबान पकड़ लिया। इस बीच पुलिस की जीप भी वहा पहुंच गई। हंगामा कर रहे दोनों युवकों को पकड़कर सागवाड़ा थाने ले गए।

सीआई शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शराब के नशे ने हंगामा करने पर सागवाड़ा की पूर्व प्रधान आशा डिंडोर के बेटे पंकज (24) पुत्र नारायणलाल डिंडोर मीणा निवासी पुनर्वास कॉलोनी सागवाड़ा और हरीश (21) पुत्र कांतिलाल डिंडोर मीणा निवासी पारडा सरोदा को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। सीआई ने बताया कि दोनो का मेडिकल टेस्ट करवाया गया, जिसमें शराब पीकर उत्पात मचाने की पुष्टि हुई है।

बारिश के कारण धराशाही या क्षतिग्रत हुए मकानो का होगा सर्वे, पीड़ित परिवारों को सरकार देगी आर्थिक सहायता

डूंगरपुर। जिले में इस साल अगस्त माह में ही बारिश का आंकड़ा औसत के करीब पहुच गया है।

डूंगरपुर जिले में लगातार हुई बारिश से कई कच्चे-पक्के मकान क्षतिग्रस्त हुए है। जिला प्रशासन ने बारिश के कारण धराशाई हुए अथवा क्षतिग्रस्त हुए मकानों के सर्वे करने के आदेश जारी किए है। सर्वे के बाद पीड़ित मकान मालिकों को आपदा कोष से नियमानुसार मुआवजा राशि दी जाएगी।

डूंगरपुर जिले में औसत के मुकाबले अब तक करीब 85 फीसदी बारिश हो चुकी है। इधर डूंगरपुर जिले में हुई अच्छी बारिश से जहा तालाब एनिकट भर जाने से किसानो और आमजन को खुशी है। लेकिन डूंगरपुर जिले में हुई लगातार बारिश के चलते जिलेभर में कई कच्चे केलूपोश मकान ढह गए है और क्षतिग्रस्त भी हुए है जिसके चलते गरीब लोगो को नुकसान हुआ है।

बारिश के चलते कच्चे केलूपोश घरो के ढहने व क्षतिगस्त होने के बाद डूंगरपुर जिला प्रशासन ने ऐसे घरो का सर्वे करने का निर्णय लिया है।

डूंगरपुर जिले के अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमेन्द्र नागर ने बताया की सर्वे के लिए जिले के समस्त तहसीलदारों को सर्वे करवाने के आदेश जारी किये गए है। जिसके तहत आगामी दिनों में पटवारी, गिरदावर के जरिये गांवों में बारिश के कारण धराशाई हुए या फिर आंशिक क्षतिग्रत हुए मकानो का सर्वे किया जाएगा। सर्वे के बाद आपदा कोष से नियमानुसार पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इतनी मिलेगी सहायता

बारिश के कारण धराशाही हुए कच्चे अथवा पक्के मकान के बदले पीड़ित परिवार को 95 हजार 100 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी वही कच्चे मकान को 15 प्रतिशत तक नुकसान पहुचने पर 3200 रुपये व पक्के मकान के लिए 5200 रुपये सहायता देने का प्रावधान है। इसके अलावा कच्चे मकान को 15 प्रतिशत से अधिक नुकसान होने पर 4100 रुपये व केटल शेड को नुकसान होने पर 2100 रुपये की सहायता दी जाएगी।

प्रशासन से की अपील इधर डूंगरपुर जिले के

अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमेंद्र नागर ने बताया कि जिन लोगो के मकानों को बारिश के कारण नुकसान हुआ है वे जागरूक रहकर पटवारी अथवा राजस्व अधिकारियों से संपर्क कर आर्थिक सहायता के लिए आवेदन कर सकते है।

मुख्यमंत्री ने करौली में किया हवाई सर्वेक्षण, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

- कोटा, बूंदी, बारां, धौलपुर के बाद करौली का हवाई सर्वेक्षण
- तीन दिन में पांच जिलों का दौरा कर बाढ़ प्रभावितों से मिले

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को करौली जिले के मंडरायल एवं करणपुर क्षेत्र के करई, बबूल खेड़ा, बंधवारा, झूकरी, मल्हापुरा, फतेहपुरा, दर्रा, नींदरपुरा एवं गोटा सहित अन्य बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने अतिवृष्टि से प्रभावित गांवों और कोटा बैराज एवं अन्य बांधों से छोड़ गए पानी से प्रभावित गांवों का जायजा लिया। गहलोत ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में जानकारी लेते हुए प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मंडरायल पहुंचकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावितों के लिए बनाए गए अस्थाई आवास, भोजन, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत, सफाई आदि का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण आमजन को घर, मवेशी, कृषि सहित अन्य प्रकार का जो भी नुकसान हुआ है, उसका सर्वे करवाकर त्वरित सहायता प्रदान की जाएगी। श्री गहलोत ने बाढ़ से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। आत्मीयता से उनकी समस्याएं सुनी एवं उचित मुआवजा दिलाने का विश्वास दिलाया। गहलोत ने उपस्थित लोगों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिए आमजन को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

बिछीवाड़ा थाने में 75 लाख की शराब का हुआ निस्तारण

वर्ष 2012 से 2020 तक 26 प्रकरणों में पकड़ी गई थी अवैध शराब

डूंगरपुर। जिले के बिछीवाड़ा थाना पुलिस की ओर से वर्ष 2012 से 2020 तक पकड़ी गई शराब के निस्तारण की कार्रवाई निस्तारण समिति की मौजूदगी में की गई । इस दौरान 26 प्रकरणों में पकड़े गए 750 कार्टन पर रोलर चलाकर शराब को नष्ट किया गया। डूंगरपुर जिले के जिला आबकारी अधिकारी हरीश रोलन ने बताया कि बिछीवाड़ा थाना पुलिस की ओर से वर्ष 2012 से 2020 तक अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस दौरान बिछीवाड़ा पुलिस की ओर से 26 प्रकरण दर्ज करते हुए 9 हजार बोतल अवैध शराब की जब्त की गई थी। जो कि बिछीवाड़ा थाने के मालखाने में रखी हुई थी। जिसकी कीमत करीब 75 लाख रुपए थी। जिला आबकारी अधिकारी हरीश रोलन ने बताया कि जब्त शराब के निस्तारण के लिए कोर्ट में एप्लिकेशन लगाई गई थी। उसी एप्लीकेशन के आधार पर कोर्ट ने उक्त प्रकरणों में जब्त की गई शराब को निस्तारण समिति की मौजूदगी में निस्तारण करने के आदेश प्राप्त हुए थे। कोर्ट के आदेश पर बिछीवाड़ा थाना परिसर में 26 प्रकरणों में जब्त 9 हजार शराब की बोतलों को निस्तारण की कार्रवाई की गई। जिसके तहत जिला आबकारी अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी, एएसपी और थानाधिकारी की मौजूदगी में शराब की बोतलों पर रोलर चढ़ाकर उन्हें नष्ट किया गया। इधर 9 हजार बोतलों के निस्तारण के बाद बिछीवाड़ा थाना पुलिस को भी बड़ी राहत मिली है। थाने के विभिन्न कमरों के शराब भरी होने से थाने के पास कमरों की कमी थी। जिसके चलते पुलिसकर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था।

डिजिटल माध्यम से सर्विस डिलीवरी में राजस्थान अव्वल :आशीष गुप्ता

जयपुर। सूचना एवं प्रौद्योगिकी आयुक्त आशीष गुप्ता ने कहा कि डिजिटल माध्यम से योजनाओं की सर्विस डिलीवरी में राजस्थान देश में अब सिरमौर राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 85 हजार ई -मित्र एवं 15 हजार ई-मित्र प्लस सहित कुल एक लाख ई -मित्र संचालित है, जबकि देश में यह आंकड़ा 3 लाख है, ऐसे में राजस्थान में पूरे देश के एक तिहाई ई-मित्र संचालित हो रहे हैं। गुप्ता शुक्रवार को झालाना डूंगरी स्थित भामाशाह टेक्नो हब में 'आधार उपयोग को सरल बनाने के लिए हालिया पहल' पर एक राज्यस्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में 0 से 5 वर्ष की आयु वर्ग के आधार पंजीकरण कम है।

इस कमी को पूरा करने पर राज्य सरकार फोकस करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले सरकारी योजनाओं के लाभ लेने के लिए या अन्य कार्यों के लिए आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन डिजिटल क्रांति के इस युग में अब सरकार की सारी योजनाएं मोबाइल फोन पर उपलब्ध हैं तथा डिजिटल सर्विस डिलीवरी से सिस्टम में पारदर्शिता बड़ी है।